>

Title: Need to open sub-health centres through 'Time to Care' health schemes in Andaman and Nicobar Group of Islands.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। वर्ष 2013 की जनवरी में भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने हिली और रिमोट एरियाज में जहां स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंची हैं, उन्होंने वहां के लिए एक स्कीम टाइम टू केयर बनाई। इस स्कीम के मुताबिक हैबिटेशन, जहां उनके घर हैं, वहां से 30 मिनट की दूरी के अंदर उन्हें स्वास्थ्य सेवा मिले, इसलिए इस स्कीम का नाम टाइम टू केयर दिया। ऐसे सात सब-हैल्थ सैन्टर्स बनने तय हुए हैं। उसी के मुताबिक आसाम, मेघालय, अरूणाचल, राजस्थान और गुजरात का नाम आया। लेकिन अंडमान निकोबार दीपसमूह का नाम नहीं आया। अंडमान निकोबार दीपसमूह में कम से कम दो सौ से तीन सौ ऐसे गांव हैं, जो रिमोट, बैकवर्ड, ट्राइबल, फारेस्ट और रेवेन्यू विलेजिज हैं। इनके नाम पाइलोन, बर्माचार, नारायण टिकरी, बंदनाला, गोपालनगर आदि हैं। इन एरियाज में आज भी कोई स्वास्थ्य सेवा नहीं पहुंची है। वहां से हैल्थ सब-सैंटर्स जाने के लिए तीन से चार घंटे चलना पड़ता है। वहां समुद्र के रास्ते डोंगी से आना-जाना पड़ता है। जिसके कारण रास्ते में देर हो जाने कारण पेशेन्ट्स की मौत हो जाती है। हमारे दीपसमूह में पांच सौ ट्रेन्ड नर्सेज, एएनएम्स और हैल्थ वर्कर्स बेकार बैठे हैं, उन्हें नौकरियां नहीं मिल रही हैं।

मैं केन्द्र के स्वास्थ्य मंत्रालय के ध्यान में लाना चाहता हूं कि अंडमान निकोबार दीपसमूह के चार अनएम्पलायड ट्रेन्ड नर्सेज हमारे साथ मंत्रालय में गये, उन्होंने वहां स्वास्थ्य मंत्री जी से मुलाकात की और पत्र देकर मांग की कि अंडमान निकोबार दीपसमूह में जो दो सौ, तीन सौ गांव फारेस्ट, रेवेन्यू, ट्राइबल विलेज हैं, जहां सब-सैन्टर्स नहीं हैं, वहां पर टाइम टू केयर स्कीम के माध्यम से सब-हैल्थ सैंटर्स खोले जाए, ताकि वहां के लोगों को ट्रीटमैन्ट का मौका मिले और हर सब-हैल्थ सैन्टर में कम के कम एक नर्स, एएनएम तथा हैल्थ वर्कर्स की नियुक्ति हो, क्योंकि ये सब-सैन्टर पीएससी की तरह स्वास्थ्य सेवाएं देंगे और पीएचसी पहुंचने के लिए घंटों की यात्रा करनी पड़ती है।

अंत में मैं एक मांग करूंगा कि हमारे यहां पीएससी और सीएचसी में जब लोगों की भर्ती हुई थी, उसके मुकाबले आज पापुलेशन बहुत बढ़ चुकी है। इसलिए पीएससी और सीएचसी में नर्सिंग स्टाफ की भर्ती की जाए।